# जल संरक्षण को जागरूकता पर हो विशेष जोर : प्रियम

## जल संरक्षण पर आयोजित विशेष सत्र में विशेषज्ञों ने रखी बात

**जागरण संवाददाता, कोलकाता :** कंसर्न फॉर कलकत्ता की ओर से 'पानी की चुनौतियों को ले कलकत्ता के लोगों को क्यों चिंता करनी चाहिए' विषय पर विशेष परिचर्चा सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि व वक्ता पैटन समूह की बिजनेस डेवलपमेंट अध्यक्ष प्रियम बुधिया, इंडियन वाटर वर्क्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अरुणभ मजुमदार और कोलकाता नगर निगम के जलापूर्ति विभाग के पूर्व अधिकारी व सीईओ बिभाष माइती ने मौजूदा समस्याओं पर प्रकाश डाला।

कंसर्न फॉर कलकत्ता के परिचर्चा सत्र में पैटन समूह की बिजनेस डेवलपमेंट अध्यक्ष प्रियम बुधिया, इंडियन वाटर वर्क्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अरुणभ मजुमदार, कोलकाता नगर निगम के जलापूर्ति विभाग के पूर्व अधिकारी व सीईओ बिभाष माइती, नारायण जैन और केएस अधिकारी ● जागरण

साथ ही उन उपायों पर जोर दिया, जिनसे पानी से संबंधित समस्याओं को कम किया जा सकता है। सैटरडे क्लब में आयोजित इस विशेष सत्र को संबोधित करते हुए प्रियम बुधिया ने कहा कि जल संरक्षण को हर नागरिक को सतर्क हो तत्काल इस दिशा में काम करने की जरूरत है। उन्हें यह कहने में अतिश्योक्ति नहीं होगी कि अगला युद्ध पानी के लिए होगा। ऐसे में हर उस बड़े व छोटे उपाय पर जोर देने की जरूरत है, जिससे की जल को संरक्षित किया जा सके, क्योंकि जल है तभी कल है। बिना जल के कल की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण के कई तरीके हैं और इसके लिए जरूरी है कि सभी इस गंभीर समस्या को समझे व अधिक से अधिक जागरूकता फैलाए। आगे उन्होंने पैटन समूह द्वारा जल संरक्षण को उठाए गए कदम से अवगत कराते हुए कहा कि पर्यावरण के अनुकूल परिवेश निर्माण को रेन वाटर हार्वेस्टिंग, ग्राउंड वॉटर रीचार्जिंग और वाटर ऑन व्हील्स प्रोजेक्ट के जरिए हम जल संरक्षण को स्थायी समाधान की दिशा में अग्रसर है।

इसके अलावा राज्य भर में जारी कई अहम योजनाओं की जानकारी दी। वहीं इंडियन वाटर वर्क्स एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रो. अरुणभ मजुमदार ने सार्वजनिक आपूर्ति व विभिन्न स्तरों पर आवश्यक खनिजों और पानी की आपूर्ति में मौजूद अवांछित प्रदूषकों के मुद्दों और चुनौतियों पर अपनी बातें रखी। इधर, कोलकाता नगर निगम के जलापूर्ति विभाग के पूर्व अधिकारी व सीईओ बिभाष माइती ने कहा कि पानी के मीटर लगाते समय पेश आने वाली सामान्य बाधाओं पर अगर पहले ही विचार-विमर्श कर लिया जाए तो जल संरक्षण की दिशा में यह एक अहम योगदान हो सकता है। क्योंकि इससे काफी हद तक पानी की बर्बादी नियंत्रित होगी। आखिर में आयोजन कमेटी के अध्यक्ष नारायण जैन ने पानी में आर्सेनिक की समस्या से हुई मौतों पर अपनी बातें रखी। वहीं स्वागत भाषण केएस अधिकारी ने तो नारायण जैन ने सत्र का संचालन किया।

PATTON®